

## योग भवन, ओपन जिम एवं विभिन्न विकास कार्यों के शिलान्यास व लोकार्पण में माननीय अध्यक्ष का सम्बोधन

कोटा दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नंबर 67 में आप सभी लोगों के बीच आकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है।

कोटा मेरा घर है, और घर में रहने वाले लोग परिवार के सदस्य होते हैं। आप सभी लोग मेरा यह परिवार है। परिवार में जब कोई विकास या निर्माण का कार्य होता है तो बहुत खुशी होती है। वह खुशी आज मुझे हो रही है। कोटा दक्षिण की इस विधान सभा सीट से मैं विधायक रहा हूँ। इसलिए यहाँ के लोग मेरे बहुत निकट हैं। आपसे मेरा जो संबंध है, उसे मैं शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता हूँ। आपने मेरा संघर्ष भी देखा है, उन्नति भी देखी है और इस क्षेत्र के लिए मेरा समर्पण भी देखा है। आपसे कुछ छुपा हुआ नहीं है।

आज यहाँ योग भवन और ओपन जिम का शिलान्यास करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है कि अब मेरे परिवार समान क्षेत्रवासियों के लिए सुविधा और बढ़ने वाली है।

अभी इन्हीं दिनों में वार्ड में 40-50 लाख रुपए की लागत से सीसी रोड बनकर तैयार हुए हैं। इस जगह जहां हम ओपन जिम का शिलान्यास कर रहे हैं, पार्क में इस स्थान पर पहले एक कचरा पॉइंट बना हुआ था। आज कचरा पॉइंट यहाँ से हट चुका है और उसके स्थान पर आमजन के लिए सुविधा विकसित हुई है।

मुझे बताया गया है कि यहाँ चार पार्कों में रेलिंग लगाई गई है। सरकारी स्कूल में बॉउन्ड्री वॉल का कार्य और रंगाई – पुताई हुई है। क्षेत्र में सभी जनों की सुविधा के लिए 100 वाटर कूलर भी लगने जा रहे हैं। समय के अनुसार आगे बढ़ते कोटा और कोटा के अपने इस परिवार को देखकर मन में बड़ी खुशी होती है।

यहाँ पार्कों का विकास होने से, ओपन जिम और योग भवन बनने से सभी लोगों को बहुत सुविधा होगी। यहाँ आप सब अपने स्वास्थ्य को लेकर जागरूक होंगे। सुबह-शाम पार्क में एक्ससाइज़ और योग से सभी को सेहत का लाभ होगा।

योग का महत्व तो आज सभी समझते ही हैं। शरीर को निरोगी बनाने में योग बड़ा लाभकारी है। आज पूरी दुनिया भारत के मार्गदर्शन में हर साल 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाती है। इसी महीने अब 20 दिन बाद हम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाएंगे। और सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया के दूसरे 200 देश भी योग दिवस पर एक साथ योग करेंगे।

यहीं नहीं दुनिया के अनेक देशों में आज योग की ट्रेनिंग भी दी जा रही है। भारत में भी कई स्थान ऐसे हैं, जहाँ दूसरे देशों से लोग योग सीखने के लिए आते हैं। सूर्य नमस्कार और प्राणायाम का अभ्यास करते हैं।

हमें भी हर दिन योग का अभ्यास करना चाहिए। आपके घर के पास जब ये सुंदर और विकसित पार्क हैं, तब तो आपको हर दिन सवेरे और शाम को खुली-स्वच्छ हवा में नियमित तौर पर योगासन और प्राणायाम करना ही चाहिए।

किसी भी आवासीय क्षेत्र में एक पार्क का बड़ा महत्व है। रिहायशी इलाके में पार्क के कई उपयोग हैं। बच्चों के लिए खेल-कूद, महिलाओं और बड़ों के लिए सुबह की सैर, दोपहर की धूप, मनोरंजन, व्यायाम जैसे कई कार्यों के लिए पार्क उपयोगी रहता है। इसी के साथ पब्लिक पार्कों से समाज में एकता और सामूहिकता की भावना भी मजबूत होती है। पार्कों में रेगुलर हेल्दी एक्टिविटी से लोग मानसिक और शारीरिक रूप से अपने आप को स्वस्थ रख सकते हैं।

इसके अलावा हम समय समय पर कोई छोटा-मोटा कार्यक्रम यहाँ ऑर्गनाइज़ (आयोजित) कर सकते हैं। बच्चे और युवा अपनी फिटनेस पर और स्पोर्ट्स पर काम कर सकते हैं। इस तरह देखा जाए तो पार्कों की सार्वजनिक जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका है।

यहाँ पेड़ लगाकर हम अपने आसपास के वातावरण को हरा-भरा बनाकर स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण में योगदान दे सकते हैं। हम जहाँ कहीं भी रहते हैं, जिस हवा में सांस लेते हैं, उस परिवेश को स्वच्छ और हरा-भरा रखने का दायित्व भी हमारा ही है।

हमारा लक्ष्य होना चाहिए कि हम अपने नगर को, अपने घर के आसपास के पर्यावरण को साफ सुथरा बनाए रखें। समय समय पर वृक्षारोपण और पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित कर हम अपने आसपास को हरा-भरा बनाएं रखें।

आज के समय में ग्लोबल वार्मिंग की रफ्तार अभी तेजी से बढ़ रही है और अगले दो दशकों में पृथ्वी का औसत तापमान 1.5 से 2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाएगा।

यह पूरी मानवता के लिए एक भयावह स्थिति हो सकती है। इतने कम समय में इस प्रकार से तापमान का बढ़ना पर्यावरण के लिए खतरनाक है, जिससे कई प्रजातियों के अस्तित्व पर संकट आ जाएगा। ग्लोबल वार्मिंग बढ़ेगी तो ग्लेशियर पिघलेंगे और समुद्र तट पर जो देश हैं, जो नगर हैं पूरी संभावना है कि वो पानी के अंदर चले जाएंगे।

हमें ये नहीं सोचना है कि पर्यावरण की सुरक्षा का दायित्व सरकार का है। सरकारें तो अपने स्तर पर कार्य कर ही रही हैं, परंतु इसी के साथ इसमें सभी नागरिकों का सहयोग भी आवश्यक है।

किसी भी अभियान की सफलता के लिए जन भागीदारी अनिवार्य आवश्यकता है। पर्यावरण संरक्षण के लिए नागरिकों के साथ साथ समाजसेवी संगठनों, विभिन्न स्तरों के लोकतांत्रिक संस्थाओं तथा जनप्रतिनिधियों को व्यापक भागीदारी करनी होगी, सामूहिक प्रयास करने होंगे। इसके बिना पर्यावरण संरक्षण सफल नहीं हो सकता।

हम सब देश और समाज के जिम्मेदार नागरिक होने के नाते यह संकल्प लें कि अपने क्षेत्र में पर्यावरण की सुरक्षा के लिए जो संभव उपाय हो सकते हैं, हम करेंगे। हम नियमित तौर पर वृक्षारोपण के कार्यक्रम चलाएंगे और पर्यावरण को लेकर जन जन में जागरूकता का प्रसार करेंगे।

इसी संदेश के साथ आप सभी को बहुत बहुत शुभकामनाएं। मुझे विश्वास है कि अपने क्षेत्र को, अपनी कॉलोनी-बस्ती को आप साफ-सुथरा और सदा हरा-भरा बनाए रखेंगे।

-----